Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 10 November 2019
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 23

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे को ही कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती हैं। दोनों दलों ने शिवसेना को भी कह दिया है कि वे उद्धव के अलावा कोई भी दूसरा चेहरा गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं चाहते हैं।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
प्लेटफार्मों पर लगीं 26 एलईडी पर ट्रेनों की जानकारी नहीं...

पेज नंबर 5
SHO among three cops booked for taking Rs ...

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं को बांटी गई दो हजार सेनेटरी नैपकिन

जून 2020 तक बांटी जाएगी एक लाख सेनेटरी नेपकिन : डा.धीरज कुमार भार्गव

नोएडा : नोएडा सेक्टर–110 भंगेल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं को निशुल्क दो हजार सेनेटरी नैपकिन बांटी गई। जिसे पाकर महिलाएं काफी खुश हुई। इस दौरान स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली विकास, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली इस्टर्न, श्री सत्य सांई सेवा संगठन द्वारा निशुल्क हेल्थ चैकअप कैंप का भी आयोजन किया गया। जिसमें 300 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई।

संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयर डा.धीरज भार्गव ने बताया कि अभियान के तहत जून 2020 तक एक लाख निशुल्क सेनेटरी नैपकिन बांटी जाएगी। उन्होंने कहा कि सेनेटरी नैपकिन महिलाओं की अनिवार्य जरूरतों में से एक है। इसका कोई विकल्प नहीं हो सकता। मासिक धर्म के दौरान संक्रमण से बचाने के लिए ही नहीं स्वच्छता की दृष्टि से भी सेनेटरी नैपकिन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए जागरूक होना जरूरी है। डा.भार्गव ने बताया कि इस दौरान लगाए गए हेल्थ चेकअप कैंप में 300 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली इस्टर्न के अध्यक्ष अनिल छाबड़ा, श्री सत्य सांई सेवा संगठन के बी.गोयल, संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान से दयानंद शर्मा व राजेश मिश्रा आदि भी मौजूद रहे। संबंधित फोटो पेज–2

TIRUPATIEYE

एडीजे ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

गाजियाबाद : डासना स्थित जिला कारागार का मंगलवार को एडीजे–16 वीके चौरसिया ने अपनी टीम के साथ निरीक्षण किया। एडीजे ने जेल प्रशासन के साथ बंदियों से बातचीत की। इस दौरान स्वयंसेवी संस्था इंडिया विजन फाउंडेशन की डायरेक्टर मोनिका धवन, प्रोजेक्ट मैनेजर नाजिया कदीर भी मौजूद रहीं। बंदियों से एडीजे ने समस्याओं के बारे पूछा साथ ही अधिकारियों से जेल में चल रहे सुधार कार्यक्रमों की भी जानकारी ली।

हरनंदी तट पर किए 1008 दीपोत्सव

गाजियाबाद : कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर हरनंदी जागृति अभियान द्वारा देव दीपावली कार्यक्रम 1008 दीपोत्सव कर धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर नागरिकों द्वारा हरनंदी के अविरल और स्वच्छ रहने की कामना की गई। कार्यक्रम संयोजक नवनीत सिंह ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। कार्यक्रम सहसंयोजक अंकित गिरी ने दीपोत्सव कार्यक्रम का संचालन किया।

रेलवे यात्रियों को दी गई एप की जानकारी

गाजियाबाद : टिकट काउंटर पर लगी लंबी को कतार को कम करने के लिए रेलवे अफसर यात्रियों को एप का इस्तेमाल करने के लिए जागरुक करा रहे हैं। मंगलवार को रेलवे कर्मचारियों ने स्टॉल लगाकर यात्रियों को एप के प्रति जागरुक किया। सीएमआई संजय सिंह ने बताया कि इस एप को प्ले स्टोर से इंस्टॉल कर यात्री इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

जीडीए में तय समय पर होगा समस्याओं का निस्तारण

गाजियाबाद : प्राधिकरण तय समय में समस्याओं का निस्तारण करेगा। इसके साथ ही विकास कार्य का लक्ष्य भी निर्धारित किया जाएगा। समस्याओं के निस्तारण एवं विकास कार्यों की जांच के लिए प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा बैठक होगी। कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई तय की जाएगी। जीडीए के विभिन्न अनुभागों में प्रत्येक माह दो से तीन हजार शिकायतों का औसत है। इन शिकायतों में स्वागत कक्ष के कंट्रोल रूम के अलावा आईजीआरएस, मोबाइल ऐप, प्राधिकरण की वेबसाइट पर करते हैं। इनमें से कितनी शिकायतों का निस्तारण होता है प्राधिकरण इसके लिए प्रत्येक पखवाड़े समीक्षा बैठक करेगा। बैठक में शिकायतों के निस्तारण की रिपोर्ट के अलावा इसकी जांच की जाएगी। शिकायत करने वाले व्यक्ति से प्राधिकरण के कंट्रोल रूप से पूछा जाएगा। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही अमले में लाई जाएगी। इसके अलावा जीडीए में हर महीने विकास कार्य को लेकर भी लक्ष्य दिया जाएगा, जिसमें संबंधित विभागीय अधिकारी को लक्ष्य के अनुसार विकास कार्य कराना होगा। इसे भी प्रत्येक 15 दिन में होने वाली समीक्षा बैठक में विवरण देना होगा। जीडीए सचिव संतोष कुमार राय ने बताया कि प्राधिकरण से संबंधित शिकायतों का तय समय पर निस्तारण किया जाएगा। साथ ही विकास कार्यों को तय समय में करने के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। दोनों मामलों को लेकर समीक्षा बैठक होगी, जिसमें लापरवाह अधिकारियों पर कार्यवाही तय की जाएगी।

Ghaziabad DM fines himself for wasting water

GHAZIABAD: The district magistrate on Tuesday imposed a fine of Rs 10,000 on 130 officials and staff, including himself, whose office is located at District Collectorate, after he found that a large quantity of water was overflowing from a water tank installed just behind his office. There are 30 senior officials and each one of them has paid Rs 100 towards the fine, while the remaining 100 staff members deposited Rs 70 each. DM Ajay Shankar Pandey said the money would be used for steps being taken to conserve water. The defect in the water tank has also been rectified. "It is the responsibility of everyone to save the water. At present, Jal Shakti Abhiyan is going on in the country and efforts are being made to save water from all sources. I have several times issued directives to various department to take measures to save water. The fine will hopefully make officials more aware towards their responsibilities. As I am the senior most official here, it is also my responsibility," he added. The incident came to the DM's notice on Monday morning soon after he reached office. According to his two-decade-old habit, he swept his office room on his own with a broom. Afterwards, when he went to the restroom, located next to his office, he heard the sound of water flowing to the ground. He asked his staff to find out the reason behind this.

नोएडा भंगेल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बांटी गई सेनेटरी नैपकिन की फोटो

प्लेटफार्मों पर लगीं 26 एलईडी पर ट्रेनों की जानकारी नहीं, चलता है विज्ञापन

गाजियाबाद : पुराने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक, दो, तीन व चार पर लगी 26 एलईडी पर यात्रियों को जानकारी नहीं मिल पा रही है। ये एलईडी पांच माह पहले लगाई गई थीं। रेलवे अफसरों का दावा है कि सीआरआईएस (सेंट्रल रेलवे इन्फॉरमेशन सिस्टम) से कनेक्शन न होने की वजह से एलईडी में ट्रेनों की जानकारी नहीं मिल पा रही है। इससे यात्रियों को असुविधा हो रही है। टिकट काउंटर के पास ट्रेनों की जानकारी हासिल करने के लिए बोर्ड लगा हुआ है। बोर्ड को देखने के लिए यहां पर यात्रियों का हुजूम लगा रहता है। इसके अलावा यात्री ट्रेनों की जानकारी पूछताछ केंद्र पर करते हैं। प्लेटफार्म पर केवल यात्रियों को लाउड स्पीकर में हो रहे अनाउंसमेंट से ट्रेनों की जानकारी मिलती है। यात्रियों की सहूलियत के लिए जून माह में प्लेटफार्मों पर 26 एलईडी लगाई गई थी। एलईडी पर 24 घंटे 70 फीसद ट्रेन की जानकारी व 30 फीसद विज्ञापन दिखाया जाना था। एलईडी लगने के फौरन बाद इनको शुरू नहीं किया गया। दिवाली पर एलईडी पर विज्ञापन दिखाने शुरू कर दिए गए। मगर अभी तक ट्रेनों को जानकारी एलईडी पर नहीं दिखाई जा रही है। इस संबंध में सीएमआई संजय कुमार सिंह ने बताया कि सीआरआईएस को पत्र लिखकर भेज दिया गया है। सीआरआईएस से कनेक्शन होने पर अभी 15 दिन का वक्त लग सकता है। इसके बाद इन एलईडी को ट्रेनों की जानकारी मिल सकेगी। इससे यात्रियों को ट्रेनों के आने–जाने, लेट व रदद होने आदि की जानकारी मिलने से काफी सुविधा मिलेगी।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में डीटीपी आपरेटर की वैकेंसी निकालने पर जांच बैठाई

गाजियाबाद : जैम पोर्टल पर जीडीए की ओर से कंप्यूटर आपरेटर के स्थान पर डीटीपी आपरेटर के पद की वैकेंसी निकालने पर जीडीए उपाध्यक्ष ने मामले में जांच बैठाई है। कंप्यूटर अनुभाग के कुछ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। जानकारों के मुताबिक जीडीए को आउटसोर्सिंग से 60 कंप्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है, लेकिन कंप्यूटर आपरेटर के स्थान पर प्राधिकरण की ओर से जैम पोर्टल पर डीटीपी आपरेटर की सूचना दी। तकनीकी योग्यता स्पष्ट रूप से नहीं दिखाई गई। जानकारों के मुताबिक इसमें जीडीए के आला अधिकारियों ने प्राधिकरण का नाम भी गायब कर दिया और इसकी जगह हाउसिंग एंड अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट यूपी लिखा है। इससे लोगों को पूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है। कंप्यूटर अनुभाग के कुछ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस के साथ ही जीडीए उपाध्यक्ष ने मामले की जांच बैठाई है।

गार्ड ने रुकवा दी ट्रेन तो बची महिला की जान

गाजियाबाद : रेलवे स्टेशन पर एक महिला शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे के वक्त महिला चलती ट्रेन में चढने की कोशिश कर रही थी। गार्ड ने तुरंत ट्रेन रुकवा दी। जबकि, ट्रेन में बैठे यात्री तमाशबीन बने रहे। किसी भी यात्री ने चेन खींचकर ट्रेन को रोकने की कोशिश नहीं की। हादसे में महिला के पैर और कंधे में चोट आई है। यदि ट्रेन नहीं रुकती तो महिला की जान जा सकती थी। मुरादनगर के कुम्हेड़ा गांव निवासी 31 वर्षीय पूनम दिल्ली की एक निजी कंपनी में नौकरी करती हैं।

पीआरओ ने कप्तान पर भ्रष्टाचारियों को चार्ज देने का आरोप लगा पोस्ट फॉरवर्ड की

गाजियाबाद : पहले लिंकरोड और फिर इंदिरापुरम थाना प्रभारी की वजह से गाजियाबाद पुलिस के दामन पर लगे भ्रष्टाचार के दाग धुले भी नहीं थे, कि एसएसपी सुधीर कुमार सिंह के पीआरओ इंस्पेक्टर पंकज कुमार द्वारा फॉरवर्ड की एक पोस्ट में ट्रांसफर–पोस्टिंग को लेकर कप्तान पर सवाल खड़े किए गए । इंस्पेक्टर पंकज के पर्सनल नंबर से सोमवार शाम एक व्हाट्सएप ग्रुप पर कुछ पोस्ट फॉरवर्ड की गईं। इनमें लिखा है कि आखिर भ्रष्टाचारियों को ही थानों का चार्ज क्यूं दिया जा रहा है। एसएसपी उच्चाधिकारियों के मापदंडों को कुछ भी नहीं समझते क्या? पोस्ट में कविनगर थाना प्रभारी अनिल कुमार शाही समेत मंगलवार को ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी बने रमेश राणा और नगर कोतवाल बने सतेंद्र प्रकाश सिंह पर सवाल उठाए गए हैं। यह पोस्ट मंगलवार को शहर के साथ लखनऊ और पूरे प्रदेश में वायरल हुई तो हड़कंप मच गया। हालांकि बाद में इंस्पेक्टर पंकज ने स्पष्टीकरण देते हुए मामले से पल्ला झाड़ लिया तो वहीं एसएसपी ने एसपी सिटी डॉ. मनीष मिश्र को जांच सौंपने की बात कही। दरअसल इस पूरे मामले की शुरुआत आठ नवंबर की शाम को ही हो गई थी, जब व्हाट्सएप ग्रुपों पर महिला थाना समेत चार थानों के प्रभारी बदलने की सूचना वायरल हुई थी। इसमें सत्येंद्र प्रकाश सिंह को नगर कोतवाल व यहां से लक्ष्मण वर्मा को डीसीआरबी प्रभारी, डीसीआरबी प्रभारी गजेंद्र सिंह को सिहानी गेट थाना प्रभारी व यहां से उमेश बहादुर सिंह को क्राइम ब्रांच, कविनगर थाने से इंस्पेक्टर रमेश राणा को ट्रोनिका सिटी थाना प्रभारी और जिज्ञासा पाराशर को महिला थाना प्रभारी व यहां से रेनू सक्सैना को महिला सेल प्रभारी बनाए जाने की बात कही गई थी। मीडिया सेल प्रभारी ने इस पोस्ट को भ्रामक पोस्ट बताते हुए मामले की जांच कर कार्रवाई तक की बात कह दी। मंगलवार कथित भ्रामक पोस्ट के अनुरूप चारों इंस्पेक्टरों ने अपने–अपने थानों का चार्ज लिया। मगर पीआरओ ने उक्त सूची से दो इंस्पेक्टरों को शामिल करते हुए सोमवार शाम को ही पोस्ट फॉरवर्ड कर दी। इससे दो सवाल और उठते हैं कि जब उन्हीं इंस्पेक्टरों को वहीं थाने दिए गए तो पुलिस ने उस पोस्ट को भ्रामक कैसे कहा? यदि ट्रांसफर मंगलवार को ही हुए तो पीआरओ ने सोमवार को ही इस संबंध में पोस्ट कैसे फॉरवर्ड कर दी?

कविनगर में डायबिटीज पर रैली निकालकर लोगों को किया जागरूक

–इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हैरिटेज, गाजियाबाद मेट्रो व आरएचएएम ने किया रैली का आयोजन

–सी–ब्लाक स्थित निष्काम डायबिटीज केयर एंड रिसर्च सेंटर पर की गई ब्लड शुगर की निशुल्क जांच, सैकड़ों ने कराई अपनी जांच

गाजियाबाद : वर्ल्ड डायबिटीज–डे के मौके पर बृहस्पतिवार को कविनगर स्थित रामलीला मैदान से डायबिटीज जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी अपने हाथों में डायबिटीज पर स्लोगन लिखे बैनर लिए हुए थे। रैली कविनगर के विभिन्न स्थानों से होते हुए सी–डी ब्लाक स्थित निष्काम डायबिटीज केयर एंड रिसर्च सेंटर पर आकर समाप्त हुई।यहां पर ब्लड शुगर की निशुल्क जांच की गई। रैली का आयोजन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हैरिटेज, गाजियाबाद मेट्रो व आरएचएएम (संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान) द्वारा किया गया।

कविनगर स्थित रामलीला मैदान में बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे डायबिटीज पर जागरूकता रैली निकालने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्र हुए। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक गवर्नर नोमिनी रो.अशोक अग्रवाल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गाजियाबाद के डा.प्रहलाद चावला, आशीष अग्रवाल, डा.राजीव गोयल, डा.पूनीत व आरएचएएम के चेयर डा.धीरज भार्गव, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हैरिटेज के सेकेटरी संदीप मिगलानी, गाजियाबाद मेट्रो के अध्यक्ष अंशुल जैन ने हरि झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली कविनगर के बी–ब्लाक के अलावा विभिन्न इलाको से होते हुए सी–डी ब्लाक स्थित निष्काम डायबिटीज केयर एंड रिसर्च पर जाकर समाप्त हुई। यहां पर पूरे दिन ब्लड शुगर की जांच निशुल्क की गई।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गाजियाबाद के डा.प्रहलाद ने कहा कि डायबिटीज के कारण किडनी पर शुगर का जो असर होता है उसे डायबिटिक किडनी डिजीज कहते हैं। यह प्रक्रिया बहुत तेजी से नहीं होती है बल्कि धीरे–धीरे होती है। इसके लिए सालों लग जाते हैं। इसके शुरूआत में पेशाब में प्रोटीन अधिक आने से इसका निदान होता है। जब यह बाद के स्टेज में होता है तो पैरों में सूजन, भूख कम लगना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। अगर किडनी की बीमारी और अधिक एडवांस हो गई है और किडनी अपना काम सही से नहीं कर पा रही है। किडनी का प्रमुख काम होता है शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना। अगर यह विषैले पदार्थ शरीर में जमा हो रहे हैं तो इसके कारण जी मचलाना, उल्टी होना, यूरिया और क्रीएटिन की मात्रा अधिक होने के लक्षण दिखाई देते हैं। अगर यह और भी एडवांस हो गई तो इसका असर कैल्शियम, हीमोग्लोबिन आदि पर असर पड़ता है।

मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक गवर्नर नोमिनी रो.अशोक अग्रवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि डायबिटीज से बचने के लिए साल में एक बार जांच जरूर करायें। लेकिन अगर डायबिटीज के कारण कोई शुरूआती असर है तो यह जांच एक साल की बजाय 3 महीने या फिर 6 महीने में करवानी चाहिए।

इस मौके पर संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयर डा. धीरज कुमार भार्गव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि डायबिटीज का असर शरीर के सभी अंगों पर होता है। इसके कारण दूसरे अंग निष्क्रिय हो सकते हैं। पैरों पर यदि असर पड़ता है तो इसके लक्षणों को आप पहले से पहचान सकते हैं। जब शरीर में ब्लड शुगर अनियंत्रित हो जाता है तो यह पैरों की नसों को प्रभावित करता है। इसके कारण तलवों में जलन, पैरों का सुन्न होना, झुनझुनाहट की समस्याए जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके कारण पैरों में धीरे–धीरे बदलाव होने लगता है। कुछ मरीजों को जब वे बिना चप्पल के जमीन पर पैर रखते हैं तो गद्दे जैसा एहसास होता है। कुछ लोगों को इटैजिया यानी असंतुलन का अनुभव होता है, यह न्यूरोपैथी से जुड़े लक्षण हैं। इसके कारण पैरों में अल्सर यानी पैरों में घाव भी हो सकता है, ये ठीक होने में अधिक समय ले सकते हैं। अगर पैरों में घाव है तो इसे दोबारा होने से बचायें। इसके अलावा कुछ जांच भी कर सकते हैं, जैसे रोज पैरों को जांचें, जूते से घाव नहीं हो रहे हैं, पैरों की सफाई करना, नंगे पांव न चलना, सर्दियों में आग न सेंकना आदि सावधानी बरतनी चाहिए।

रैली में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गाजियाबाद के डा. प्रहलाद, डा.राजीव गोयल, डा. पूनीत गुप्ता, आशीष अग्रवाल, मुख्य अतिथि डीजीएन अशोक अग्रवाल, संकल्प स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयर डा.धीरज भार्गव के अलावा सुनील गौतम, राजेश मिश्रा, दयानंद शर्मा, अनिल छाबरा, प्रियतोष, रोटरी क्लब ऑफ मेट्रो के अध्यक्ष अंशुल जैन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद हैरिटेज के सेकेटरी संदीप मिगलानी, अपूर्व राज, विक्रम, संजय, नरेश, दीपककांत गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे।

EDITORIAL

Peace and justice: On Ayodhya verdict

There comes a time when the need for peace and closure is greater than the need for undoing an injustice. In allowing a temple to come up through a government-appointed trust at the disputed site in Ayodhya, the Supreme Court has apparently chosen a path most conducive to social harmony. To compensate the Muslim litigants, who were deprived of the centuries-old Babri Masjid through an illegal act of demolition, the court has asked for the allotment of a five-acre plot of land elsewhere in Ayodhya that may be used for building a new mosque. That this is more of moral consolation by way of a political compromise and less of adjudication in recognition of their religious rights is obvious. The final award will always be a source of discomfiture for those to whom closure goes beyond ensuring peace in a communally polarised environment. But what is most welcome about the 1,045-page verdict of a Bench of five judges is its unanimity. For, it sends out a message that the judiciary has, with a single mind, ventured to give legal burial to a prolonged dispute that began as a minor litigation, expanded into a divisive political cause, and became a festering wound on the body-politic for years. The fact that the case is over at last must come as great relief to all peace-loving people.

This sense of relief masks the bitter truth that the fear of a Hindu backlash if there was an adverse verdict was genuine. After nearly three decades of unrelenting pursuit of communal polarisation, the majoritarian, revanchist forces in the country have fatigued their secular adversaries into passive acquiescence. The Bench indeed has done well to record its revulsion at two incidents that represented an onslaught on the psyche of secular India: the desecration of the masjid in 1949 when Hindu idols were planted surreptitiously under its central dome, and the planned destruction of the whole structure by the foot soldiers of Hindutva on December 6, 1992. But what is most disappointing about it is that the relief spelt out by the Bench may amount to legitimising the very demolition it unequivocally condemns. Having declared that the suits are representative of the two communities, organised violence by one party ought not to have been ignored. It is common knowledge that the Vishwa Hindu Parishad, which spearheaded the temple movement with the active backing of the Bharatiya Janata Party and organised the demolition of the mosque, got a foothold in the litigation through an individual who represented the deity, Ram Lalla, as "a next friend" in a fresh suit filed in 1989.

A reading of the judgment reveals that the outcome is not wholly in line with the evidentiary conclusions the court itself reaches. It notes that archaeological evidence — procured only because excavation was made possible by the demolition and as such not available to the parties at the time of institution of the suits — only shows the existence of a 12th century Hindu religious structure underneath, but does not prove any demolition or explain what happened in the intervening centuries. It acknowledges that namaz was offered at the mosque between 1857 and 1949, and declares that Muslims did not abandon it, but offers no relief even though their religious rights stand proved.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

Duo broke into 50 flats in six months, held

GHAZIABAD: Two men were arrested on Friday for allegedly breaking into houses in several societies. Police said the two men had broken into at least 50 houses in the city over the past six months and decamped with jewellery, cash and electronic items. Police claimed that with their arrest, they have solved over a dozen theft cases in Ghaziabad. The arrested men include Kamil, the gang leader from Sambhar town in Jaipur, and Rajesh Dubey, a resident of Delhi. Four others are absconding. On October 7, they had stolen cash and jewellery worth Rs 40 lakh from a businessman's house. Police claimed to have recovered jewellery worth Rs 20 lakh and Rs 5 lakh cash from the two. Umesh Bahadur Singh, the SHO of Sihani Gate police station, said, "We had leads from CCTV footage in one of the crime scenes in which the two were seen scouting the houses. They would stroll in societies and if guards stopped them, they would tell fake names. They broke into locked houses within 20-25 minutes where they would only steal items like cash, jewellery, watches, etc. that were easier to carry in their bags," said Singh, adding that they would also carry weapons along with them, but never used them in any of the theft cases. The SHO said that the case has thrown light on the lapses in security of highrises and the police department will issue an advisory to residents welfare associations (RWAs) and apartment owners associations (AOAs) to strengthen the security in order to avoid such cases.

New road kicks up dust, residents want grass on sides

Noida: With the growing risk of health problems caused by dust pollution, residents of 7x sectors have demanded landscaping on both sides of the newly built road from Antriksh Golf View 1 and 2 to Hanuman Murti Road, leading up to the Sector 101 metro station road. "The road connects sectors 78 and 79 to the Sector 101 main metro station road. Sector 76 onwards, the road is also called Dadri Road. We are concerned about the dust pollution from both sides of the road, which is a dusty kuchcha stretch. No concretisation has been done till now," said Devender Singh Rathore, a resident of JM

Orchid in Sector 76. Work on the drains on both sides of the road has been incomplete. "Nobody can cross the road without breathing in the dust … This is a health hazard for the residents, who complain of breathing problems," said Brijesh Sharma, a Sector 78 resident. On Sunday, Kunwar Pal Singh, a junior engineer with the horticulture department of Noida Authority, visited Sector 78 to hear them out.

Supreme Court order is a step towards clarity, say Wish Town buyers

NOIDA: The Supreme Court's order has evoked varying responses from homebuyers of Wish Town project. While some buyers have claimed this is a step forward to clarity, others have expressed their dismay over the long wait they have been subjected to once again before a resolution comes about. "Same participants are being asked to submit bids again and again. Why is it taking so long to decide on the final bidder? We are disappointed with the court's order, because this takes us once again from where we started" said Krishan Mitroo, a Wish Town buyer.

Jewar airport developer to be picked in January, first phase to have two runways

GNOIDA/NEW DELHI: The bidding process to select a developer for the Jewar international airport crystallised into a four-horse race on Wednesday between leading aviation and corporate heavyweights. The four shortlisted technical bids belong to Delhi International Airport Ltd (DIAL), Zurich Airport AG, Anchorage Infrastructure (backed by the Canada-based Fairfax Holdings) and Indian conglomerate Adani Enterprises. The companies were picked from a pool of 20 that had participated in the bid floated on May 30 this year.

Noida projects need UP relief to get central funds

NOIDA: The Centre's Rs 25,000-crore relief fund is as of now out of reach for most critical housing projects in Noida, a real estate market that badly needs a bailout, because most of them don't make the cut on viability, a key eligibility clause that a project must pass to be entitled to the benefits of the fund. What's making most housing projects in Noida unviable is accumulation of compounded interest payments that cumulatively run into thousands of crores. The central fund can only be used to complete projects that are cash-stressed, not to pay past dues. Besides, projects have to be financially viable, meaning expected income on completion of flats should be higher than cost of completion. Most stressed housing projects in Noida are far from viable under the current structure of interests and penalties. For example, let's say a project with 100 flats left to be completed needs financial assistance of Rs 100 crore. But on scrutiny, it is found that the builder, who was allotted land in 2000 and kept defaulting on interest payments since, currently owes Rs 500 crore to the Noida Authority. This would make the project unviable, which is what has happened to most housing projects in Noida.

Ghaziabad: SHO among three cops booked for taking Rs 14 lakh bribe

GHAZIABAD: The station house officer (SHO) of Indirapuram police station and two sub-inspectors have been suspended for allegedly taking around Rs 14 lakh to release 13 gamblers arrested from a hotel on the intervening night of October 22 and 23. Deepak Sharma, the SHO, Sandeep Singh, the chowki in-charge of Shipra Sun City, and sub-inspector Sachin Kumar of Vaishali outpost were sent to the police lines after an internal inquiry found them guilty of taking bribe. All three are untraceable at the moment. Keshav Kumar Mishra, assistant superintendent of police who conducted the inquiry, said the cops had received a tip-off that gambling was going on in a couple of rooms in hotel Grand Inn in Sector 4 of Vaishali. "Sub-inspectors Sandeep and Sachin conducted raids at the hotel and arrested four persons from rooms 109 and 209. During investigation, it came to light that the cops had pocketed the money that was being used in the gambling and also taken a bribe to let the accused persons go. It was revealed that around Rs 14 lakh had been swindled in the entire case," Mishra said.

Five of family killed in car accident in GNoida

NOIDA: Five people, including three women, of a family were killed in Greater Noida on Sunday night allegedly after an unidentified vehicle hit their car, police said. Eight other occupants, most of them children, of the vehicle were injured and have been admitted to a hospital, the police said. "The family was in a Maruti Eco and were enroute to Ballabgarh in Haryana. An unidentified vehicle hit their car from the rear around 9pm along the Eastern Peripheral Expressway," a police spokesperson said.

Toddler steps out of home, run over by auto

GHAZIABAD: A one-and-a-half-year-old girl was allegedly crushed to death by an autorickshaw in Vijay Nagar on Friday night. Police said the deceased has been identified as Diya. Her father works as a daily wage labourer. On Friday, when the child's family was having dinner, Diya somehow managed to get out of the house and she got hit by the auto-rickshaw. Vedprakash, her father told TBC that there was a wedding in the neighbourhood and the auto-rickshaw was carrying tents for the event. "Around 9.30pm, a passerby raised the alarm after seeing the accident and we went outside the house to see what had happened. We took her to a nearby hospital but doctors declared her brought dead," said the father. Police have sent the body for an autopsy and reports are awaited. Shyamvir Singh, SHO, Vijay Nagar police station, said an FIR has been registered against the auto-rickshaw driver under IPC sections 279 (rash driving), 338 (causing grievous hurt by act of endangering life), 427 (mischief causing damage to the amount of Rs 50) and 304 A (causing death by negligence). Vedprakash said if the driver is not held soon, he will protest outside the SSP office.

Insolvency proceedings against firm in Noida

NOIDA: The National Company Law Tribunal (NCLT) has initiated insolvency proceedings against AVP Buildtech, a Delhi-based real estate company, for undue delays in delivery of its housing project AVS Orchard in Noida's Sector 77. BJP MLA Vinod Kumar Katiyar was one of the directors of the firm, while his father is still on the board. AVS Orchard has 400 flats across eight towers. Launched in 2011 and sold a year later, the apartments were supposed to be completed by June 2014. But not even 50% of the work has been completed till date.

Chargesheet mentions lenient section, IG orders fresh probe

GHAZIABAD: A fresh investigation has been ordered into the death of five casual labourers in a sewer two months ago after the chargesheet submitted by the circle officer in court replaced IPC Section 304 (culpable homicide not amounting to murder) with a relatively lenient section of 304A (causing death by negligence). The chargesheet will now be withdrawn from court and a fresh one submitted after the SP (rural) conducts a probe into the case again. There is a huge difference in the quantum of punishment under the two sections. While Section 304 attracts a maximum jail term

of 10 years, the maximum punishment under Section 304A is two years' imprisonment. Officially, however, the police sought to skirt any controversy. IG (Meerut range) Alok Singh said the decision to hand over the investigation to an IPS-rank officer had been taken so that a more "comprehensive" probe can be conducted into the case. Following the death of the five labourers on August 22, the investigation had been handed over to circle officer 1 (city) Dharmendra Chauhan. Although the cops had mentioned IPC Section 304 in the FIR, they told the court it was a case of accident and nothing was done intentionally. The police added they had replaced the IPC section in the chargesheet based on proof they could garner. After senior officers came to know about the changes made in the chargesheet, IG Singh directed SP (rural) Neeraj Kumar Jadaun on October 31 to conduct an inquiry and submit a report within 48 hours. Jadaun subsequently prepared a report on November 1, and was directed to conduct a fresh investigation into the case.

SI booked after constable finds scratches on car

Noida: A constable and a sub-inspector were involved in a spat over parking, which ended with an FIR against the senior officer and his son. Sohanveer, a constable attached with Phase 2 police station, alleged he had arrived in his personal car for duty on Wednesday night and parked the vehicle near the quarters for cops. Sohanveer apparently found a few scratch marks on his car. A tyre was also flat. He confronted the sub-inspector, Krishanpal, as the vehicle was parked near his house. "Sohanveer alleged that when he enquired about the scratch marks, the SI and his son, Saurabh, abused him and warned him against parking his vehicle there.

Not just IT hub, Sector 62 is Noida's pollution hotspot too

NOIDA: Sanjiv Goyal has been experiencing breathing difficulty for the past one week. But the IBM employee, who goes to the IT company's Sector 62 office, is not alone. Pollution has been taking a toll on many people who have their offices in the sector — Noida's prime corporate destination. Sector 62 is a hub for many technology companies, such as IBM, TCS, Accenture, Nokia and Ericsson. Symbiosis, IIM-Lucknow and several other private colleges also have their campuses in the sector. Moreover, the sector also hosts various central government offices and residential apartments. But the sector is one of the most neglected spots in Noida, which directly reflects in its air quality. The reason — rampant garbage burning in the open and heavy vehicular movement. "Where our office is, adjacent to a park of Sector A, we see garbage being burnt continuously. There is no stop on that. Once the garbage mount grows, someone sets it on fire. Our complaints have so far fallen on deaf ears," Sanjiv says. Puneet Goyal, an employee at Finserv, a financial service provider in Sector 62, says pollution is a major issue.

Greater Noida: Indore as model, GNIDA to seek private help for trash

GREATER NOIDA: Focused on Swachh Bharat Mission goals, the Greater Noida Industrial Development Authority (GNIDA) has decided to rope in an NGO to handle sanitation and waste management. It has set aside Rs 4.60 crore, officials said. The NGO selected through the tender that was floated this week would have to ensure elimination of open defecation and manual scavenging, and help the authority with strict enforcement of rules, officials said. GNIDA wants to emulate the Indore model, which has topped the Swachh Bharat survey thrice.

Noida: A week after woman 'pushed off' 18th floor, one arrested

GREATER NOIDA: A 35-year-old man was arrested from Supaul district in Bihar on Saturday for allegedly killing and then pushing a 30-year-old woman from the 18th floor balcony of AVJ Heights society in Sector Zeta 1 on November 3. Police said the arrested man, Mumtaz Khan, was seen along with the woman on the night she was allegedly murdered. He used to stay in a rented accommodation in the society. He is being brought to Greater Noida in a police vehicle. Ranvijay Singh, SP (rural) told TBC that Khan has revealed the woman was a sex worker and he had a dispute with her over money due to which he killed her. "The accused has revealed that the woman had come to his house to spend the night with him on November 3. But the two had some argument over money following which he killed the woman," said Singh, adding that Khan would be questioned in detail once he reaches Greater Noida. On November 3, the security guard of AVJ Heights had spotted the woman's body on the ground floor of a tower in the society.

Mayor and GMC chief in ugly fight as Ghaziabad's civic lag shows

GHAZIABAD: In separate letters to UP chief minister Yogi Adityanath and urban development minister Ashutosh Tandon last month, mayor Asha Sharma sought the transfer of Ghaziabad Municipal Corporation (GMC) chief Dinesh Chandra stating that he behaves like a "semi-deranged" person when repeatedly reminded about the deteriorating levels of cleanliness in the city. The mayor also accusedChandra of behaving improperly with councillors and not following directives passed during the executive and board meetings. Expressing anguish over the mayor's words, Chandra said he will submit a factual representation to the government in the matter. In the first letter sent on October 2 to Tandon, Sharma wrote: "Due to my repeated stress on sanitation-related work, the commissioner has now started behaving like a semi-deranged person. He has also started to behave in an indecent manner in front of the media, which is against the work culture of the UP CM." She highlighted the worsening condition of sanitation and said Ghaziabad's all-India ranking, which had rose to 13 in 2019 from 351 in 2017, would take a severe hit. "The commissioner does not seem to be interested… whenever his attention is attracted during meetings and towards new reports, his ego is hurt and he loses control over his language. He had even walked out of the board meeting in September in presence of me (sic) and councillors," she wrote. Ten days later, the mayor wrote to the UP CM, saying she keeps getting complaints about heaps of garbage lying on roadsides but no attention is paid. She also accused Chandra of harassing traders in the name of hefty penalties. Chandra told TBC, "What has hurt me the most is the kind of language used… In 22 years of service, I have never faced this kind of situation. I will apprise the government after taking feedback from my subordinates." Meanwhile, a controversy erupted over the allotment of a camp office for the mayor at Rs 72,000 rent per month. Chandra said the GMC will pay the rent only after getting a nod from the state government, and till that time the mayor will have to pay from her own pocket. Sharma blamed the GMC, saying, "Before shifting to the camp office I had written to GMC to seek permission from the government after the proposal was passed in the board meeting, but it wasn't done by officials concerned."

Ex-banker forges identity papers, opens accounts for credit cards, loans

Greater Noida: A 41-year-old man was arrested from Dadri on Saturday for allegedly getting car loans sanctioned from banks on the basis of forged identity proofs. Rakesh Babu, a resident of Supertech Eco Village, in Bisrakh area, has told police that he got bank accounts opened and obtained credit cards against the documents, which he prepared himself. Rakesh was arrested after police got a tip-off that he was near Roopwas roundabout in Dadri. He was spotted in a car around 10.30 pm on Friday. "He failed to provide documents of the car and

later, we found the registration number was fake," said Ranvijay Singh, SP (rural). Rakesh allegedly bought the car in 2017 on instalments but never paid those. "He said that the number plate is fake and he did not go back to the car agency after buying the vehicle," Singh said. He said Rakesh told them he had bought four cars in the same way.

Cops object to loud music, thrashed in Greater Noida

GREATER NOIDA: A man has been booked for allegedly beating up three policemen who tried to stop him from playing loud music at his home in Sector Alpha 2 on Wednesday night. Sub-inspector Ram Kumar, posted at Sector Beta 2 police station, said a person had called on the emergency number to inform about loud music being played at a house in the sector's G block. He reached the spot at 3am with constable Vikrant Kumar and driver Vipin Kumar in a police response vehicle (PRV). "I rang the doorbell and a person came out to talk. He was drunk and barely able to stand. I told him about the complaint and asked him to keep the volume down. In response, he said that he recently shifted to the new house after buying it for Rs 1 crore," said Ram Kumar. Kumar added that the man yelled at him for objecting to loud music and started shouting at his neighbours too. "I told him about the Supreme Court's guidelines on noise pollution, but he continued arguing. Later, he started pushing me and also slapped me.

Buyers say will move SC on Unitech land cancellation

NOIDA: Homebuyers in a Unitech project whose land allotment was recently cancelled by the Noida Authority have said they will approach the Supreme Court, which is drawing up a roadmap to complete thousands of unfinished houses in properties launched by the real estate company. Noida's move, which it said was triggered by dues of Rs 1,200 crore that Unitech owes it, has led to fresh anxiety among buyers about the fate of their investments. Some buyers said they would move a contempt plea against Noida Authority. More than 1,600 apartments have been sold in Unihomes 3. The project, in Sector 113, has 1,912 housing units. Some of the homebuyers claim to have already moved the Supreme Court against the developer for the delay in delivery of their flats. "We will raise the issue at the next hearing on November 19. The Noida Authority only kept its own interest in mind and did not think about buyers' plight," said Gaurav Bhuttani, a Unihomes investor, who also contested Noida's claim that the building map of the project was not approved. "The project is approved by Rera, which is only possible after the layout plan is approved by the Noida Authority. The Authority had also hosted an amicus curiae meeting in 2016 between Unitech and homebuyers, which also means that it was aware of the involvement of a large number of buyers in the project," said another homebuyer. Noida Authority is sticking to its decision to cancel land allotment, claiming construction was illegal and dues remained unpaid. Officials also denied that some Unihomes 3 buyers had earlier moved the Supreme Court against Unitech. Noida CEO Ritu Maheshwari told TBC, "There is no case of contempt as this particular property is not involved in any court case. We have cancelled the allotment because of increasing unpaid dues as well as illegal construction being done, since their maps were not approved. We had to take a strong decision to at least rescue the prime property and save the loss of revenue the Authority was facing. If genuine buyers approach the Authority, we will try to do our best to protect their interest." But the developer neither comple-ted the construction nor paid land dues to the Noida Authority. Of the total number of flats, 1,629 have been sold till date.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

आदेश कुमार (जीएम) 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम–संदीप कुमार सिंह– 9643322921
एसएचओ लिंक रोड– लक्ष्मी सिंह चौहान– 9643322924
एसएचओ–साहिबाबाद– जितेंद्र कुमार सिंह– 9643322923
एसएचओ खोड़ा– सतेंद्र प्रकाश– 9643322922
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

5 held for stealing vehicles from Delhi, NCR, Punjab, Haryana

GHAZIABAD: Five vehicle-lifters were arrested from Itwar Pusta area in Khoda around 10.45pm on Tuesday for allegedly stealing around 80 vehicles from Delhi, NCR, Haryana and Punjab. At least 16 motorcycles and two scooters have also been recovered from them, said police. Among the arrested, Shahnawaz, Asif, Sushil Kumar and Vishal belong to Ghazipur in Delhi, and Rehan is a resident of Bijnor. Police said they have several cases registered against them in Delhi, Ghaziabad and Noida. Talking about the gang's modus operandi, SP (city) Manish Kumar Mishra said, "The gang members first conduct recce of areas and identified their targets and then steal the vehicles during night. They would later replace the original chassis and registration number of the vehicles and prepare forged documents." He added that the gang was active for the past four years and it used to sell the stolen two-wheelers for over Rs 5,000. They used to steal vehicles to arrange their pocket money and lead a lavish lifestyle, said police.

Yoga Guru Ramdev attends Ayuryog Expo 2019 in Greater Noida

GNoida. The session which began at dawn was attended by nearly 25,000 participants including students from different schools and more than 200 disciples of Amrta Suryananda Maharaja from Europe. Various foreign visitors also lauded the efforts of Exports Promotion Council for Handicrafts and IEML for organizing world's largest assembly on Yoga, Ayurveda and naturopathy bringing all yogis, gurus, experts and eminent personalities related to Ayurveda, Yoga and Naturopathy under the same platform," said Rakesh Kumar, Chairman, India Exposition Mart Ltd.

Noida: In hospital queue for four hours, 5-year-old dies

NOIDA: A five-year-old girl suffering from pneumonia died after standing in a queue at the out-patient department of the district hospital for nearly four hours on Tuesday. The girl's parents alleged she died for want of treatment, prompting the authorities to order a probe. Nandini Valmiki, whose lungs were filled with water, was rushed to the district hospital early on Tuesday morning by her parents after her condition worsened. Her father Vinit Valmiki — a sanitation worker with the Noida Authority — said she had been keeping unwell for the past week and they had been consulting a quack for treatment. However, Vinit alleged that despite the child being serious, she was asked to stand in the queue for OPD services at the hospital and a doctor checked her only after an hour. "We had asked the hospital staff to allow us to take the girl to the emergency as her condition had deteriorated but we were told to get her examined by a paediatrician." After almost an hour of waiting, the couple managed to get the child examined by Dr DR Agrawal who prescribed an X-Ray.

Unsold flats worth Rs 1.4 lakh crore hold the key

DELHI: A massive inventory of unsold houses estimated to be worth close to Rs 1.4 lakh crore at current market prices is seen to hold the key to revive the nearly 4.6 lakh units in stalled projects across the country as the govern ment and SBICAP Ventures are looking at a "commercially viable" model to revive the crucial sector, which is battling a slump for several years now. Estimates by the finance ministry showed that construc ting the entire stock of houses in 1,600 projects, many of which are in standstill state, will require over Rs 50,000 crore and this number could go up.

Buyers' complaints should go to Rera first, urges builders' body

NOIDA: A day after the Centre announced a Rs 25,000-crore fund for stalled housing projects, builders' body Credai on Thursday urged the government to reconsider its decision to grant homebuyers the status of "financial creditors" that empowers even single investors to raise insolvency bids against developers at bankruptcy courts. Credai-NCR demanded that all investor complaints should be first heard by the Real Estate Regulatory Authority (Rera), which can then refer the same to the National Company Law Tribunal (NCLT), or the court accepts a case only when two-thirds of buyers in a project give their consent. At present, the principal bench of NCLT in Delhi has 1,138 pending cases from projects in Noida, Greater Noida and Gurgaon, of which a large number was slapped by buyers. "With the prerequisite liability of just Rs 1 lakh for an investor to be able to slap an insolvency case, the buyers are finding this an easy route to get refunds. This is dragging entire projects to insolvency along with all the other invested buyers. This is a serious problem and needs a revision urgently," said Manoj Gaur, chairman, Credai-NCR. According to Credai, there are several cases in which builders have been dragged to bankruptcy courts even when there are people residing in a few apartments in a project. In many other cases, the projects that were in the process of resolution by Rera have been dragged to NCLT. "We propose that when two-thirds of a project's buyers get together, only then should the NCLT admit an insolvency case.

Greater Noida to get smart dustbins soon

GREATER NOIDA: The Greater Noida Industrial Development Authority (GNIDA) has planned to install smart bins in some locations in the city as a pilot project. Officials said it is the first time that smart dustbins will be used in the city. A smart bin is sensor-based and sends a signal to the command and control centre once it is almost full and needs cleaning. Each bin has a minimum capacity of 1,000 litres and costs between Rs 2.5 lakh and Rs 10 lakh, officials said. "Most smart cities have started using these bins that can send text messages as a signal for cleaning.

Two sell fake medicines and green tea on TikTok, arrested

NOIDA: Two brothers, who would allegedly sell cheap factory-made clothes and fake weight-reduction drugs after uploading TikTok videos, have been arrested by police in Noida. One of the accused youths holds an MBA degree. Police said Parul Garg and Vipin Garg would claim to sell a pack of branded Koutons T-shirts on TikTok videos for Rs 999. However, after getting an order, they would parcel low-quality T-shirts to the customers sourced from factory outlets. Along with the T-shirts, the accused were involved in sale of green tea and weight-reduction medicines with a label reading "Fit Track" online, the police said. According to the police, Parul and Vipin, originally from Haryana's Hisar district, had been engaged in the fraud for the past six months and had recently, started operating out of an office 'Creative Crafts' in Sector 11. They have a godown in Sector 7 also. A team of the food safety and drug administration (FSDA) later visited the godown and took samples of the medicines for testing. Sanjay Sharma of FSDA told TBC that the medicines seemed to be prima facie fake.

CPCB: Most trash burning complaints from Noida

NOIDA: Garbage burning continues to be Noida's top contributor to pollution and the biggest cause of complaints, a Central Pollution Control Board report said. The field visit report, based on surveys between October 7 and November 3, noted that more than 13% of waste burning complaints in NCR come from Noida and Gurgaon South each – the highest. They are followed by Faridabad (10.3%) and Ghaziabad (9%). "Garbage burning is one of the major causes of pollution in Noida and Greater Noida. But it is difficult to track down and penalise offenders who set waste on fire and escape.

'Diya' inside high rise flat causes fire in Noida

NOIDA: A fire broke out in a third floor flat at Eldeco Amantran Society in Sector 119 on Thursday morning. No one was injured and residents said the blaze was caused by a lamp (diya) that had been lit during a pooja that the family had performed before leaving the flat. Kinshuk Sharma, who had taken the flat on rent, said he left the house for Jaipur around 6 am and when he reached Gurgaon, he got a call from his neighbour who informed him about the fire. "We have a wall-mounted wooden temple in our living room next to our balcony. I had lit a diya before leaving. It must have been due to the diya," he said. Sharma works as the vice-president at a private e-commerce firm. The fire was spotted around 6.45 am. "The fire alarms did not worked. We informed the fire brigade around 6.55 am," said Rahul Singhal, secretary, Apartment Owners' Association (AOA). "The in-house system is nothing but a failure. The alarms, smoke detectors and sprinklers did not work." The AOA members said they had raised the issue with the Noida Authority during a meeting October 22.

अयोध्या मामला : न फैलाएं अफवाह, पुलिस की अब भी है नजर

साहिबाबाद : अयोध्या मसले पर फैसला आने के बाद से अब तक ट्रांस हिंडन पूरी तरह से सामान्य है। एतिहातन पुलिस – प्रशासन सतर्कता बरत रही है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की कड़ी निगरानी है। वहीं, सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की नजर है। सादे कपड़े में भी पुलिस तैनात है। लगातार गश्त की जा रही है। दंगा नियंत्रण टीम भी सतर्क है।

हाईस्पीड ट्रेन : वसुंधरा सेक्टर आठ के यार्ड में 36 हजार वर्गमीटर और जमीन की मांग

गाजियाबाद : दिल्ली मेरठ रैपिड रेल (हाईस्पीड ट्रेन) के निर्माण में जल्द ही और तेजी आनी शुरू हो जाएगी। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) का लक्ष्य है कि हाईस्पीड का निर्माण डेड लाइन से एक साल पूर्व 2023 में ही पूरा कर लिया जाए। इसके लिए अब वसुंधरा में बने कास्टिंग यार्ड को और बड़ा किया जा रहा है। आवास विकास परिषद से जमीन मिलते ही यार्ड बड़ा हो जाएगा। दिल्ली मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर से दिल्ली और मेरठ के बीच का सफर बेहद आसान हो जाएगा। कोरिडोर का काम गाजियाबाद में शुरू हो चुका है। हाईस्पीड ट्रेन के रूट में कुल 15 स्टेशन बनेंगे जिनमें से सात गाजियाबाद में हैं। कॉरिडोर के साहिबाबाद से गाजियाबाद तक के हिस्से का काम तेजी से किया जा रहा है। एनसीआरटीसी ने वसुंधरा में 86 हजार वर्गमीटर जमीन पर अपना कास्टिंग यार्ड बना दिया है। अब 36 हजार वर्गमीटर जमीन की और मांग की गई है। ऐसे में अब कुल 1.22 लाख वर्गमीटर जमीन पर यह यार्ड तैयार होगा। पिलरों को आपस में जोडने के लिए प्री फेब्रिकेटिड तकनीक से बनी वायाडक्ट का निर्माण इस यार्ड में किया जाएगा। यार्ड में बनी वायाडक्ट को बनाकर सीधे पिलरों के बीच फिट कर एलिवेटेड ट्रैक तैयार किया जाएगा। गाजियाबाद में साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर उत्तर और मोदीनगर दक्षिण स्टेशन बनाए जाएंगे। एनसीआरटीसी ने हाईस्पीड कॉरिडोर का निर्माण पूरा करने के लिए 2024 तक निर्माण पूरा करने की डेडलाइन रखी है। हालांकि केंद्र सरकार का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट होने के चलते एनसीआरटीसी इसे एक साल पूर्व ही पूरा करने की योजना बना रहा है। अधिकारियों का दावा है कि दिसंबर 2023 में इसे पूरा करने के लिए यार्ड को बड़ा किया जा रहा है। वसुंधरा लाल बत्ती के पास ही हाईस्पीड ट्रेन, मेट्रो और यूपी रोडवेज का एक संयुक्त जंक्शन बनाया जाएगा। हाईस्पीड ट्रेन के स्टेशन से बाहर निकले बिना यात्री स्काई वॉक के जरिए सीधे मेट्रो स्टेशन और साथ ही रोडवेज के साहिबाबाद डिपो में भी प्रवेश कर सकेंगे। आने वाले समय में यह एनसीआर का सबसे बड़ा जंक्शन बनेगा। गाजियाबाद के लोग इस जंक्शन से न सिर्फ मेरठ बल्कि ग्रेटर नोएडा, नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पश्चिमी यूपी के अन्य स्थानों से भी जुड़ जाएंगे।

मैक्स अस्पताल में कैंसर के मरीजों को मिल सकेगा आधुनिक इलाज

साहिबाबाद : वैशाली स्थित मैक्स अस्पताल में मंगलवार को उत्तर प्रदेश के पहले आंकोलॉजी टावर का उद्घाटन किया गया। इस अत्याधुनिक टॉवर का उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन एव राजमार्ग राज्यमंत्री और गाजियाबाद के सांसद जनरल वीके सिंह, मैक्स ग्रुप के चेयरमैन अभय सोई मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर के चेयरमैन डॉ. हरित चतुर्वेदी ने किया। केंद्रीय मंत्री ने इसे पश्चिमी यूपी के लोगों के लिए एक बड़ी सुविधा बताया। अभय सोई ने लॉन्च के बारे में बताया कि इस आंकोलॉजी टावर के लॉन्च के साथ मैक्स अस्पताल कैंसर ट्रीटमेंट और रिसर्च को एक नई दिशा देगा। टॉवर में 50 से ज्यादा कैंसर स्पेशलिस्ट मौजूद हैं, जो ट्रीटमेंट की हर प्रक्रिया को बहुत ही प्रोफेशनल तरीके से पूरा करेंगे। केंद्रीय मंत्री वीके सिहं ने कहा कि कैंसर रोगियों के लिए मैक्स अस्पताल की ओर से एक नई सुविधा प्रदान की गई है। इसका लाभ हजारों कैंसर के मरीजों को होगा। डॉ. हरित चतुर्वेदी ने बताया लगातार जांच से ही लोग कैंसर जैसी बीमारियों से बच सकते हैं। हालांकि जो लोग इसकी चपेट में आ गए हैं अब यहां उन्हें सर्वश्रेष्ठ इलाज मिल सकेगा।

xHk/kkj.k ds ckn Mk;fcVht dk c<+ tkrk gS [krjk

गाजियाबाद : पारिवारिक पृष्ठभूमि में यदि मधुमेह की बीमारी रही है तो गर्भावस्था के दौरान इसके होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। ऐसे में गर्भस्थ शिशु को डायबिटीज से बचाना और प्रसव कराना एक चुनौती बन जाता है। देर से शादी और देर से गर्भधारण करना भी गर्भ के दौरान मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन रहा है। हार्मोनल गड़बड़ी से शुरू होने वाली इस बीमारी को मोटापा और उसके ऊपरी शारीरिक निष्क्रियता बढ़ावा देने का काम करती है। इस बार विश्व मधुमेह दिवस परिवार और मधुमेह थीम पर मनाया जा रहा है।

बकाया राजस्व वसूली प्रकरणों में तेजी के लिए कवायद शुरू

गाजियाबाद : जिले में बकाया राजस्व वसूली प्रकरणों में अब प्रशासन तेजी लाने की कवायद में जुटा हुआ है। प्रशासन का प्रयास है कि बकाया वसूली के प्रकरणों का जल्द से जल्द निपटारा हो और राजस्व में वृद्धि हो सके। इसके लिए हर स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। इस संबंध में एडीएम वित्त एवं राजस्व यशवर्धन श्रीवास्तव ने जिले के सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं। विभिन्न विभागों द्वारा जारी की गई आरसी (वसूली प्रमाणपत्रों) में तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि वसूली प्रमाणपत्रों के तेजी से निस्तारण के लिए पूर्व में जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय द्वारा कमेटी का गठन कराया गया था। इस कमेटी को ऐसे मामलों की मॉनिटरिंग करनी हैं जिन मामलों में आरसी जारी हो चुकी है। वसूली के काम में तेजी लाने के लिए अब तहसीलदार व एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व यशवर्धन श्रीवास्तव ने बताया कि बकायेदार द्वारा राजस्व जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ आरसी जारी की जाती है। आरसी जारी करने के बाद संबंधित तहसील प्रशासन वसूली की कार्रवाई करता है।

बिजली चोरी के खिलाफ चलेगा अभियान

गाजियाबाद : बिजली चोरी रोकने के लिए हाई लाइन लॉस वाले फीडरों को चिह्नित करने का कार्य पूरा कर लिया गया है। ऐसे फीडरों से संबंधित अधिकारियों को अभियान चलाकर बिजली चोरी रोकने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य अभियंता आरके राणा ने बताया कि बिजली चोरी को दो श्रेणियों में रखा गया है। एक कटिया डालकर सीधी चोरी और दूसरी मीटर में छेड़खानी और रीडिंग स्टोर कराकर चोरी करना। सप्ताह में इसके लिए दो अभियान चलाए जाएंगे। एक अभियान के तहत तीन दिन छापेमारी करके बिजली चोरी रोकी जाएगी। वहीं, बिजली बिल जमा न करने वालों के कनेक्शन भी काटे जाएंगे।

सरकारी विभागों पर बिजली विभाग का 1370 करोड़ बकाया

गाजियाबाद : एक ओर जहां विद्युत निगम निजी उपभोक्ताओं से बकाया बिल की पाई–पाई वसूलने की योजना पर अमल कर रहा है। वहीं, जिले में विभिन्न सरकारी विभागों पर निगम का 1370 करोड़ रुपया बकाया नासूर बनता जा रहा है। तमाम प्रयासों के बावजूद विभाग एवं विभागीय मुख्यालयों से बिल अदायगी के लिए कोई आश्वासन तक नहीं मिला है। उधर निजी उपभोक्ताओं से पांच हजार रुपये तक के बकाया की वसूली के लिए प्रति सप्ताह महा अभियान चलाकर बकायेदारों से बिल जमा एवं बकाया जमा न करने पर कनेक्शन काटे जा रहे हैं। निजी उपभोक्ताओं पर बकाया बिल वसूली को लेकर विद्युत निगम सख्ती अपनाए हुए है। रूटीन चेकिंग व बकाया बिल वसूली के अलावा जनपद के विभिन्न इलाकों में आकस्मिक चेकिंग भी जारी है। इसके अलावा बुधवार व शनिवार सप्ताह में दो दिन बकायेदारों से वसूली और कार्यवाही को लेकर महा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रतिमाह पांच करोड़ रुपये बकाया वसूली के साथ ही बकाया अदा न करने पर बकायेदार पांच हजार निजी उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। इसके अलावा बिजली चोरी रोकने के लिए विभिन्न स्थानों को चिह्नित कर पुलिस के साथ मिलकर देर रात व अलसुबह चेकिंग अभियान चलाकर एफआइआर दर्ज कराने की कार्यवाही जारी है। उधर, प्रदेश में सरकारी विभागों विद्युत निगम के बकाया बिल की बात करें तो यह कर्ज करीब 13 हजार करोड़ रुपये का है। इसमें अकेले गाजियाबाद जनपद में यह बकाया 1370 करोड़ रुपये का है। पिछले काफी समय से निगम की ओर से विभागीय मुख्यालयों व स्थानीय स्तर पर बकाया बिल अदा करने के लिए पत्र के अलावा नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। इस बारे में विभागों की ओर से अभी तक बकाया चुकाने को लकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। बकायेदार विभागों में पुलिस, प्रशासन के अलावा, शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य विभाग शामिल हैं।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
Bureau Chief
5, Ashok Vihar, 3rd Floor,
GMS Road, Nr. Ballupur
Chowk, Dehradun.
Mobile: +91 8130640011
Email: prateekb@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

BUREAU OFFICE
VIKRAM KUMAR
Bureau Chief
12/516, Friends Co-operative
Society Vasundhra,
Ghaziabad (UP)
Mobile: +91 8130640077
Email: vikram@tbcgzb.com
www.tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.